



राजस्थान सरकार



श्री नरेन्द्र मोदी  
माननीय प्रधानमंत्री



श्री भजनलाल शर्मा  
माननीय मुख्यमंत्री

## राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन

गरिमामयी उपस्थिति

श्री ओम बिरला  
माननीय लोकसभा अध्यक्ष

श्री भजनलाल शर्मा  
माननीय मुख्यमंत्री

7800 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी के  
नियुक्ति पत्रों का वितरण

29 मार्च, 2025

अपराह्न 12:00 बजे

स्थान : दशहरा मैदान, कोटा

राशि हस्तांतरण / शुभारंभ / विमोचन

स्कूल के विद्यार्थियों को 300 करोड़ रुपए  
से अधिक की राशि हस्तान्तरण का शुभारम्भ

मुख्यमंत्री शिक्षित  
राजस्थान अभियान

जिला मुख्यालयों पर  
रोजगार मेलों का आयोजन

स्किल नीति का विमोचन

युवा नीति का विमोचन

योजनाओं के दिशा निर्देश

अटल ज्ञान केंद्र

नई किरण नशा मुक्ति केंद्र

निजी क्षेत्र में रोजगार पर वित्तीय सहायता

द्रोणाचार्य अवॉर्डियों को भूमि आवंटन

रन फॉर फिट राजस्थान का शुभारम्भ

29 मार्च, 2025 | प्रातः 7:00 बजे | अमर जवान ज्योति, जनपथ, जयपुर

युवा कल्याण - बढ़ता राजस्थान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

## विचार बिन्दु

सब लोग दाता नहीं तो कम से कम उदार तो बन ही सकते हैं। -अफलातून

## राजस्थान दिवस का उत्सवी आयोजन : जनोन्मुखी सोच से होगा खुशहाल राज्य का सपना साकार

एक जन कल्याणकारी सरकार का यह प्राथमिक कर्तव्य और दायित्व है कि आम जन से कदम से कदम मिलाकर रोजमर्रा के कार्यों के लिए सरकार और जन साधारण के बीच आपसी संवाद को और आसान कैसे बनाया जाये, इसके लिए अधिक तत्परता व सजगता से काम करना होगा। सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार सुशासन के महत्वपूर्ण स्तम्भ हैं। इन मूलभूत सुविधाओं को आसानी से बिना विघ्न बाधा के सभी को सुलभ करने के लिए सरकार और जन प्रतिनिधियों को एक जुट होकर प्रयास करने की जरूरत है तभी राजस्थान दिवस के उत्सवी कार्यक्रमों से हमारा खुशहाल राज्य का सपना साकार होगा।

राजस्थान के मुख्यमंत्री राज लाल 25 मार्च से राजस्थान दिवस के साप्ताहिक कार्यक्रमों के जरिये जनसेवा को अपनी सोच को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश के सामाजिक, आर्थिक विकास, समाज के कमजोर और पिछड़े वर्ग के कल्याण और आधारभूत ढांचे को जन आंकाक्षाओं के अनुरूप मजबूत बनाने में जुटे हैं। राज्य की डबल इंजन सरकार प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की भावना के अनुरूप एक खुशहाल, शिक्षित, संवेदनशील और समृद्ध राजस्थान के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। मुख्य मंत्री का मानना है, जब समाज के सभी वर्ग सौहार्दपूर्वक इस दिशा में प्रयासरत होंगे तभी हम एक सशक्त राजस्थान का नवनिर्माण कर पाएंगे। हम सुनिश्चित करते हैं कि समाज के सभी वर्गों के साथ बेहतर तालमेल के साथ कार्य हो। राजस्थान स्थापना दिवस के कार्यक्रम प्रदेशभर में गरिमा के साथ आयोजित किये जा रहे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की सोच और मंशा के अनुरूप 25 मार्च से आयोजित हो रहे राजस्थान दिवस महोत्सव के कार्यक्रमों में जनभागीदारी देखी जा रही है। मुख्यमंत्री का कहना है कार्यक्रमों की संख्या नहीं गुणवत्ता एवं गरिमा के साथ आयोजन पर ध्यान दिया जाए। राजस्थान दिवस समारोह का साप्ताहिक आगाज 25 मार्च को मरुभूमा बाड़मेर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में आयोजित मातृवन्दन को समर्पित 'महिला सम्मेलन' से हुआ इस अवसर पर 5 हजार महिलाओं को इंडेक्शन कुक टॉप का वितरण किया गया। साथ ही स्वामी विवेकानन्द स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस के अंतर्गत 164 छात्राओं को चयन पत्र का वितरण किया। गार्गी पुरस्कार, बालिका प्रोत्साहन एवं मुख्यमंत्री हमारी बेटियां योजना के अंतर्गत 31 हजार 790 बालिकाओं को 13.16 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की। राजकीय महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में अध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की गई। इसी क्रम में हमने आज विभिन्न जिलों के 36 महिला महाविद्यालयों में ये सुविधा प्रारंभ की है। वर्ष 2025-26 के बजट में वंचित वर्गों, महिलाओं, बुजुर्गों एवं दिव्यांगों के लिए संचालित आवासीय संस्थानों का मसैलता बढ़ाकर 3 हजार 250 रुपये प्रतिमाह कर दिया है। सभी संभागीय मुख्यालयों पर 50 बेड के सरस्वती हाफ वे होम्स के माध्यम से बालिका गृहों में निवास करने वाली बालिकाओं के 18 वर्ष की होने के बाद भी उन्हें हैड होल्डिंग की जरूरत होने पर सुविधा भी दी जाएगी। इसी तरह नारी उत्थान के लिए प्रदेश में 10 जिला मुख्यालयों पर बालिका देखभाल संस्थान की स्थापना, नवगठित नगरीय निकायों सहित अन्य क्षेत्रों में महिलाओं हेतु 500 पीक टॉयलेट का निर्माण, हर ब्लॉक पर रानी लक्ष्मी बाई केंद्र की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। सोलर दीदी के रूप में नया कैडर बनाकर आगामी वर्ष पहले चरण में स्वयं सहायता समूह

राज्य की डबल इंजन सरकार प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की भावना के अनुरूप एक खुशहाल, शिक्षित, संवेदनशील और समृद्ध राजस्थान के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। मुख्य मंत्री का मानना है, जब समाज के सभी वर्ग सौहार्दपूर्वक इस दिशा में प्रयासरत होंगे तभी हम एक सशक्त राजस्थान का नवनिर्माण कर पाएंगे। हम सुनिश्चित करते हैं कि समाज के सभी वर्गों के साथ बेहतर तालमेल के साथ कार्य हो।

अलावा मंगला पशु बीमा योजना में लाभान्वितों का दायरा भी बढ़ाया गया है। कार्यक्रम में पशुधन निःशुल्क आरोग्य योजना के अंतर्गत निःशुल्क उपलब्ध करवाये जा रहे औषधियों व टीकों की संख्या बढ़ाकर 200 किए जाने तथा कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के विभिन्न दिशा-निर्देश जारी किए गए। ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए बैल से खेती करवाये जाने पर 30 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि के दिशा-निर्देश जारी किए गए। पीएमएफएमई योजना के तहत एफपीओ को अनुदान के तथा एक एफपीओ को शेयर मनी के चैक वितरण किए गए। मुख्यमंत्री का कहना है यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी डबल इंजन की सरकार किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही हैं। केन्द्र सरकार द्वारा 10 हजार एफपीओ का गठन किया गया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत राज्य में 72 लाख से अधिक किसानों को 1 हजार 400 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित, लगभग 47 लाख किसानों को 29 हजार करोड़ रुपये का अल्पकालीन ब्याजमुक्त फसली ऋण तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 3 हजार करोड़ रुपये से अधिक के बीमा क्लेम वितरित किए गए हैं। राज्य सरकार के लिए किसान हित पहली प्राथमिकता है। राज्य सरकार ने अपने कार्यकाल के पहले ही वर्ष में किसान सम्मान निधि में सहायता राशि को 6 हजार रुपये से बढ़ाकर 8 हजार किया, जिसे अब बढ़ाकर 9 हजार रुपये कर दिया गया है। इसी भांति मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत 20 लाख से अधिक पशुओं का पंजीकरण, पशुधन निःशुल्क आरोग्य योजना के तहत निःशुल्क औषधियां और टीके उपलब्ध कराना, मोबाइल वेटनरी सेवा नंबर 1962 प्रारंभ करने, राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना के तहत लगभग 34 हजार पात्र गोपालकों के ऋण स्वीकृत सहित विभिन्न निर्णयों से पशुपालकों को राहत दी जा रही है।

राजस्थान दिवस महोत्सव के तीसरे दिन गुरुवार को भरतपुर में आयोजित अत्यंतदय कल्याण कार्यक्रम के दौरान डीबीटी के माध्यम से 92 हजार से अधिक निर्माण श्रमिकों को 100 करोड़ रुपये की राशि का हस्तांतरण किया गया। साथ ही, डांग, मगरा एवं मेवात क्षेत्रीय विकास योजनाओं के लिए 300 करोड़ रुपये (प्रति योजना 100 करोड़ रूपए) की राशि आवंटित की गई। कार्यक्रम में प्रदेशभर में स्वामित्व कार्ड योजना के तहत 20 हजार पट्टों का वितरण, 311 लोगों को डेयरी बूथ अलॉटमेंट, माटी कलाकारों को विद्युत चालित चाक का वितरण भी किया गया। दिव्यांगजनों से अधिक के बीमा क्लेम वितरित किए गए हैं। राज्य सरकार के लिए किसान हित पहली प्राथमिकता है। राज्य सरकार ने अपने कार्यकाल के पहले ही वर्ष में किसान सम्मान निधि में सहायता राशि को 6 हजार रुपये से बढ़ाकर 8 हजार किया, जिसे अब बढ़ाकर 9 हजार रुपये कर दिया गया है। इसी भांति मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत 20 लाख से अधिक पशुओं का पंजीकरण, पशुधन निःशुल्क आरोग्य योजना के तहत निःशुल्क औषधियां और टीके उपलब्ध कराना, मोबाइल वेटनरी सेवा नंबर 1962 प्रारंभ करने, राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना के तहत लगभग 34 हजार पात्र गोपालकों के ऋण स्वीकृत सहित विभिन्न निर्णयों से पशुपालकों को राहत दी जा रही है।

—अतिथि संपादक, बालमुकुन्द ओझा, वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

## राजस्थान दिवस – आत्मावलोकन का अवसर



राजेन्द्र भागावत

15 अगस्त 1947 को जब देश को स्वतंत्रता मिली, उस समय देश लगभग 500 छोटी-बड़ी रियासतों में बंटा हुआ था। सरदार वल्लभभाई पटेल के प्रयासों से अलग-अलग रियासतों को भारत में विलय करने का कठिन कार्य किया गया। राजस्थान में भी बार्डिस रियासतें थीं जिनका एक-एक करके भारत में विलय किया गया। राजस्थान प्रदेश 1947 को ही अस्तित्व में आ गया हो, ऐसी बात नहीं है।

1947 से पूर्व राजस्थान, राजपूताना के नाम से जाना जाता था। जिन रियासतों को मिलाकर राजस्थान बना, उनकी संख्या 22 थी जिनमें टोंक को छोड़ कर सबमें हिन्दू राजाओं का राज था। टोंक रियासत में नवाब का शासन था। ब्रिटिश शासन से सीधे संचालित अजमेर मेरवाड़ा भी राजस्थान का भाग बना।

राजस्थान को वर्तमान स्वरूप में आने से पहले निम्न चरणों से गुजरना पड़ा:—

पहला, 1948 को अलवर, भरतपुर, बौलपुर और कर्ली को मिलाकर मत्स्य संघ बनाया गया। दूसरे चरण में राजस्थान संघ का गठन हुआ जिसमें जयपुर, जोधपुर, जैसलमेर और बीकानेर की रियासतों को सम्मिलित किया गया। तीसरे चरण में उदयपुर का विलय होने के पश्चात संयुक्त राजस्थान का निर्माण हुआ।

चौथे चरण में जयपुर, जोधपुर जैसलमेर और बीकानेर को मिलाकर वृहद राजस्थान का गठन हुआ। यह प्रक्रिया 30 मार्च 1949 को पूरी हुई। इसी दिन को प्रत्येक वर्ष राजस्थान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसके पश्चात भी एकीकरण की प्रक्रिया जारी रही और वर्तमान स्वरूप में राजस्थान अंततः 1 नवंबर 1956 को अस्तित्व में आया। यह राजस्थान के पुनर्गठन आवयोग की सिफारिशों का परिणाम था।

राजस्थान में बोली जाने वाली बोलियां भी अलग-अलग क्षेत्र में अलग-अलग थीं। जयपुर के आसपास क्षेत्र में ढूंढाड़ी, अजमेर क्षेत्र में मेरवाड़ा, भरतपुर क्षेत्र में ब्रज, जोधपुर क्षेत्र में मारवाड़ी, सीकर-झुंझुनू-चुरू में शेखावाटी, उदयपुर क्षेत्र में मेवाड़ी, सिराही-जालौर क्षेत्र में गोड़वाड़ी, डूंगरपुर-बांसवाड़ा में वागड़ी, गंगानगर जो उपके आसपास के क्षेत्र में पंजाबी बोली जाती थी। इस प्रकार राजस्थान का निर्माण तो हो गया किंतु अलग-अलग क्षेत्रों की बोलियां, खान-पान, रहन-सहन में काफी अंतर था। यह अंतर आज भी देखा जा सकता है।

राजस्थान, भारत के सबसे अधिक क्षेत्रफल वाला राज्य है जिसका क्षेत्रफल 342239 वर्ग किलोमीटर है जो भारत के कुल क्षेत्रफल का 10.4 प्रतिशत है। राज्य का बहुत बड़ा भू-भाग थार मरुस्थल का हिस्सा है। राजस्थान की सीमा पांच राज्यों पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश और गुजरात से लगती है। राज्य की आकृति के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा लगभग 1200 किलोमीटर है, जो गंगानगर, बीकानेर, बाड़मेर, और जैसलमेर में स्थित है। राज्य की जनसंख्या 1947 में लगभग एक करोड़ थी जो वर्तमान में लगभग आठ करोड़ है।

1956 में राज्य में 26 जिले थे, जिनकी संख्या 2023 के चुनाव से पूर्व 50 हो गई थी। अब नौ जिलों को कम करने के कारण वर्तमान में जिलों की संख्या 41 हो गई है। राजस्थान का

सकल घरेलू उत्पाद 16 लाख करोड़ रूपए है जो देश के राज्यों में सातवें स्थान पर है। प्रति व्यक्ति जी डी पी 1.67 लाख रूपए है। राजस्थान की अर्थव्यवस्था में प्रमुख योगदान खनिज, पर्यटन और कृषि का है। राज्य में कई खनिज आधारित उद्योग हैं जिनमें मुख्य ज़िंक, लाइमस्टोन, जिप्सम, सिलिका आदि हैं। भारत के कुल सीमेंट उत्पादन में राजस्थान का हिस्सा लगभग 25 प्रतिशत है। ज़िंक का तो लगभग पूरा उत्पादन ही राजस्थान में होता है।

कृषि उत्पादों में गेहूँ, सरसों, सोयाबीन, बाजरा, मक्का, ज्वार, धनिया, जीरा मुख्य फसलें हैं। राज्य में कृषि उत्पाद आधारित उद्योगों की प्रचुर संभावना है जिसका समुचित दोहन अब तक नहीं हुआ है। सिंचाई सुविधाओं में विस्तार होने के फलस्वरूप कृषि उत्पादन और उत्पादकता में तेजी से वृद्धि हुई है। राजस्थान राज्य का निर्माण क्योंकि विभिन्न राजे राजवाड़ों को मिलाकर हुआ है, यहां अनेक विश्व प्रसिद्ध किले, महल, हवेलियां स्थित हैं जो पर्यटकीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। पुराने किलों, महलों, हवेलियों में से कई को होटल में परिवर्तित किया जा चुका है। जब हेरिटेज होटल की नई श्रेणी को बनाया गया, तो देश के कुल मान्यता प्राप्त हेरिटेज होटलों में से लगभग 80 प्रतिशत तो राजस्थान में ही थे। राज्य का शिल्प, हस्तकला, लोक कला, लोक संगीत और यहां का आतिथ्य पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण के विषय रहे हैं। राज्य में पर्यटन विकास की जितनी संभावना है, उसका अब तक बहुत सीमित मात्रा में उपयोग हुआ है।

बाड़मेर जिले में तेल की खोज ने अर्थ व्यवस्था में बड़ा योगदान किया है। भारत सरकार द्वारा वहां रिफाइनरी स्थापित होने से न केवल राज्य की आय में अच्छी वृद्धि हुई अपितु अनेक लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार भी मिलेगा। पानी की उपलब्धता में कमी, अवश्य ही अधिक पानी को खपत वाले उद्योगों की स्थापना में बाधक रही

है। एक ओर जहां देश का 10.4 प्रतिशत भू-भाग तथा देश की कुल जनसंख्या का 5.6 प्रतिशत राजस्थान से बहुत बड़ा इन्फ्रम आर्बिजित किया जा केवल 1 प्रतिशत ही राजस्थान में है। इन सब चुनौतियों के बावजूद राजस्थान ने स्वतंत्रता के बाद विभिन्न क्षेत्रों में बहुत प्रगति की है।

राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में बहुत पिछड़ा रहा है। 1951 में साक्षरता प्रतिशत महिलाओं का 3 प्रतिशत, पुरुषों का 15 प्रतिशत और कुल 9 प्रतिशत था। साक्षरता अभियान के प्रभावों और सफल क्रियान्वयन के कारण 1991 से 2001 के मध्य साक्षरता में किसी भी राज्य से अधिक वृद्धि राजस्थान में हुई। जो साक्षरता 1991 में 38 प्रतिशत थी, वह बढ़कर 2001 में 61 प्रतिशत हो गई। यह सब सरकार और नागरिक संगठनों के सामूहिक प्रयास से ही संभव हो पाया। राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में अनेक नवाचारों का गढ़ रहा है, जैसे लोक जुबिशा, शिक्षा कर्मी आदि इन सब प्रयोगों को मुख्य धारा में अपनाने से पहले ही छोड़ देने के कारण शिक्षा की गुणवत्ता में हास हुआ है। राज्य में स्कूली और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में संख्यात्मक विकास तो बहुत हुआ किंतु गुणवत्ता में अब भी बहुत सुधार करने की आवश्यकता है। राज्य में वर्तमान में 1.20 लाख कुल विद्यार्थी हैं जिनमें से 34000 निजी क्षेत्र में हैं।

गत कुछ सालों में बहुत बड़ी संख्या में कॉलेज और विश्वविद्यालय खोल दिए गए हैं। यहां तक कि प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज खुल गए हैं और विश्वविद्यालयों की संख्या भी 100 से अधिक हो गई है किंतु शिक्षकों के अधिकांश पद रिक्त होने से राज्य के विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा उपलब्ध नहीं हो पाई है। तेजी से औद्योगिकीकरण और विकास के लिए उपयुक्त मानव संसाधन उपलब्ध होना अत्यंत आवश्यक है। आशा है, इसके महत्व को समझते हुए इस दिशा में आवश्यक कदम सरकार उठाएगी।

राजस्थान में निवेश और रोजगार को तीव्र गति से बढ़ाने के लिए हाल ही में राज्य सरकार ने इन्वेस्ट राजस्थान नाम से बहुत बड़ा कार्यक्रम आर्बिजित किया था, जिसमें देश-विदेश के कई उद्योगपतियों को आमंत्रित किया गया एवं उन्हें राज्य के विभिन्न पर्यटक संसदाओं से भी अवगत कराया गया। राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने की दृष्टि से एवं फिल्म निर्माण के माध्यम से रोजगार बढ़ाने के उद्देश्य से आईफा का आयोजन जयपुर में हाल ही में किया गया। इसके कारण राज्य को एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुनः स्थापित होने का अवसर मिला है।

राजस्थान के त्वरित विकास में और इसे अपेक्षा अपराध रहित करने में यहां के नौकरशाही एवं पुलिस की भी बहुत बड़ी भूमिका है। इस दिशा में अभी बहुत कर्मी हैं। यहां की नौकरशाही को मानसिकता अभी भी जनोन्मुखी नहीं है। इस कारण कोई भी निर्णय लेने में अत्यधिक देरी होती है और प्रशासक का बोलबाला भी होता है। यदि राज्य को अपनी प्राकृतिक और ऐतिहासिक संपदा का पूरा उपयोग आर्थिक प्रगति के लिए करना है, तो नौकरशाही को संवेदनशील और त्वरित निर्णय लेने वाला बनाना होगा। राजस्थान वर्तमान में आर्थिक समृद्धि की दृष्टि से सातवें स्थान पर है परन्तु इसमें प्रथम चार राज्यों में आने की पूरी क्षमता है। राजस्थान दिवस सरकार और नागरिकों, दोनों को आत्मावलोकन का अवसर प्रदान करता है कि हम अपने राज्य को गौरवशाली स्थान पर ले जाएं। सरकार का यह कदम स्वागत योग्य है कि वह राजस्थान दिवस पर एक दिन के औपचारिक कार्यक्रम के स्थान पर इस वर्ष पूरे सप्ताह का समारोह आयोजित कर रही है, जिसमें जनता की भागीदारी भी सुनिश्चित की जा रही है।

आइए, हम आज से ही इस संकल्प को पूरा करने में जुट जाएं।

—राजेन्द्र भागावत , (पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

## देशनोक पुल के निर्माण में खामियां, इस वजह से हो रहे हादसे, जांच में खुलासा

यह खुलासा जिला कलेक्टर की ओर से गठित कमेटी की जांच में हुआ है, जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को भेजी

बीकानेर, (निःसं।) देशनोक पुल का निर्माण तकनीकी रूप से सही नहीं हुआ था। इस वजह से अक्सर वहां हादसे हो रहे हैं। यह खुलासा जिला कलेक्टर की ओर से गठित कमेटी की जांच में हुआ है। जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को भेज दी गई है, जिसमें तकनीकी जांच के लिए जयपुर से इंजीनियरों का दल भेजने की सिफारिश की गई है।

जानकारी के अनुसार बीकानेर से करीब 30 किमी दूर देशनोक पुल पर पिछले दिनों एक ट्रोला कार के ऊपर पलट गया था। इस दुर्घटना में कार में सवार छह लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद जिला कलेक्टर ने अतिरिक्त कलेक्टर प्रशासन की अध्यक्षता में जांच कमेटी गठित की थी। इस कमेटी ने घटना स्थल का मुआयना किया और रिपोर्ट कलेक्टर को सौंप दी।

जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने बताया कि रिपोर्ट राज्य सरकार को भेजी गई है। पुल का निर्माण तकनीकी रूप से सही नहीं बताया गया है। इसकी जांच के लिए जयपुर से इंजीनियरों का दल भेजने की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट में पुल में सुधार करने के भी सुझाव दिए गए हैं।

दरअसल कमेटी में आरटीओ, पुलिस, पीडब्ल्यूडी की नेशनल हाइवे विंग के एसई और नागौर एक्सईएन, टोल कंपनी और पुल निर्माण कंपनी के प्रतिनिधियों के अलावा एक्सपर्ट के तौर पर एनएचएआई के परियोजना निदेशक पीयूष रंजन यदुवंशी भी शामिल किया गया था। सभी ने अपनी-अपनी राय दी है। हालांकि कमेटी की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट तक जाएगी। इसलिए इसे गोपनीय रखा गया है।

जांच रिपोर्ट में तकनीकी जांच के लिए जयपुर से इंजीनियरों का दल भेजने की सिफारिश की गई है

रिपोर्ट में मोटे तौर पर रोड इंजीनियरिंग को सुधारने पर जोर दिया गया है। इस संबंध में एक्सपर्ट इंजीनियर से भी राय ली तो उन्होंने भी पुल तकनीकी आधार पर गलत बताया है। कलेक्टर की रिपोर्ट को ही अधिकृत माना जाएगा। देशनोक पुल का स्ट्रॉप ज्यादा है। दू लेन पुल में एस कर्व देना ही गलत है। उस पर ओवरटेक की अनुमति नहीं होने का बोर्ड भी नहीं लगा है। गर्मी में यहां का तापमान 50 डिग्री तक जाता

है, जिससे डामर पिघल कर इकट्ठा हो जाता है। इससे भारी वाहनों का संतुलन अक्सर बिगड़ता है। ऐसे में पुल की समय-समय पर मरम्मत होती रहनी चाहिए। सेंटर लाइन कंट्रीन्यू होनी चाहिए। यह इस बात का संकेत होता है कि ओवरटेक ना करें, जबकि पुल पर सेंटर लाइन डोटेड है। पलाना पुल भी ऐसी ही स्थिति है। नागरिक सूचना बोर्ड ही गायब है। 30 लाख से अधिक के काम में नागरिक सूचना बोर्ड डिस्ले करना पड़ता है, जिस पर निर्माण एजेंसी का नाम, लागत, गारंटी पेरियड, जिम्मेदार अधिकारी, एक्सईएन और एईएन के मोबाइल नंबर आदि होने चाहिए, जो आजकल नहीं होते। बीकानेर से नागौर तक करीब 108 किलोमीटर रोड टू लेन की जगह फोर लेन बनाई जाएगी। इस मार्ग पर

पलाना, देशनोक, नोखा और नागौर पर चारों पुल भी फोर लेन या सिक्स लेन किए जाएंगे।

नेशनल हाइवे नागौर के एक्सईएन दीपक पंडित ने बताया कि मार्ग को रि-डिजाइन करने के लिए 91 लाख की डीपीआर के टेंडर हो चुके हैं। एक कंपनी को बर्क ऑर्डर दिया जाना है। कंपनी की सर्वे रिपोर्ट से पता चलेगा कि इस मार्ग पर ट्रैफिक लोड कितना बढ़ा है और आने वाले 25 साल में कितना बढ़ेगा। उसके आधार पर इसे फोर लेन और ओवर ब्रिज फोर लेन या सिक्स लेन किए जाएंगे। गौरतलब है कि इस मार्ग का निर्माण कार्य 2022 में पूरा हुआ था। इस पर 370 करोड़ रूपए खर्च हुए थे। डीपीआर 2013-14 में बनाई गई थी। रेलवे क्रासिंग के ऊपर पुल बनाए गए।

## शिक्षक को बकाया वेतन नहीं दिया तो संयुक्त निदेशक का वेतन रोका

बीकानेर, (निःसं।) राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर ने शिक्षा विभाग के चूक मंडल के संयुक्त निदेशक के वेतन रोकने के आदेश दिए हैं। दजसल, अदालती आदेश के बाद भी एक शिक्षक को बकाया वेतन भुगतान नहीं करने पर हाईकोर्ट ने ये आदेश दिए हैं। मामले के अनुसार बीकानेर में

वर्तमान में लेक्चरर के रूप में काम करने वाले दिनेश मेघवाल को वर्ष 1997 में नियुक्ति मिली थी। दिनेश को जून माह में वेतन मिला था लेकिन इस महीने का भुगतान नहीं किया गया। दिनेश ने इस मामले में टिब्यूनल में शिकायत दर्ज कराई। वर्ष 2020 में टिब्यूनल ने वेतन देने के आदेश दिए। इसके बाद भी शिक्षा

हाईकोर्ट ने शिक्षा विभाग के चूक मंडल निदेशक के वेतन रोकने के आदेश दिए

विभाग ने भुगतान करने में आनाकानी की। इसके बाद हाईकोर्ट में अपील की गई। फिर भी शिक्षक को बकाया भुगतान नहीं किया गया। परिवादी के वकील परमेश्र बोहरा ने अदालत की अवमानना

का मामला भी दायर किया। इसके बाद शिक्षा विभाग ने जनरी में वेतन आदेश तो किए लेकिन अब तक भुगतान नहीं हुआ। बोहरा ने अदालत से इस आशय की शिकायत की तो न्यायाधीश ने शिक्षा

विभाग के अधिकारियों से पुछताछ की। विभाग ने एक महीने के भीतर भुगतान करने का विश्वास दिलाया। इस पर न्यायाधीश ने चूक के संयुक्त निदेशक का वेतन रोकने का आदेश दिया। अधिवक्ता बोहरा ने बताया कि कर्मचारी को समय पर वेतन नहीं देने पर न्यायालय ने सख्ती दिखाई है।

## ऊर्जा संरक्षण कार्यक्रम में ऊर्जा बचाने का संदेश दिया

सीकर, (निःसं।) राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय सीकर के निर्देशन में स्थानीय संघ शिवसिंहपुरा के तत्वावधान में सोमवार को विद्यालय कुशालपुरा में ऊर्जा संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय संघ उप प्रधान बीरबल सिंह मंड के अध्यक्षता एवं

सहायक जिला कमिश्नर स्थानीय संघ के सानिध्य में किया गया। कार्यक्रम में ऊर्जा बचाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में सरोज लॉयल, बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट सीकर, राकेश बड़ोदा सरपंच कुशालपुरा, शारदा प्रधानाचार्य महात्मा गांधी

गुंगारा, जवाहर सिंह सेवानिवृत्ति व्याख्याता, पुरषोत्तम सोनी जिला प्रशिक्षण आयुक्त, रामचंद्र सिंह आर्य समाजसेवी ने अपने-अपने विचारों के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण के बारे में प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में ऊर्जा संरक्षण चेतना रैली के साथ-साथ निबंध, रंगोली,

क्विज, पोस्टर, भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण का संदेश जन-जन में पहुंचने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम का संचालन महेंद्र कुमार पारीक द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में कमलेश कुमार

### राशिफल

**शनिवार 29 मार्च, 2025**

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, शनिवार, विक्रम संवत् 2081, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र सायं 7:27 तक, ब्रह्म योग रात्रि 10:03 तक, नाग करण सायं 4:28 तक, चन्द्रमा मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरु-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज चैत्री शनिश्चरी अमावस्या, देव पितृकार्य अमावस्या, मन्वादि, पंचक है। आज शनि मीन राशि में रात्रि 9:47 पर प्रवेश करेगा। चान्द संवत्सर 2081 विक्रम संवत् समाप्त होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:57 से 9:28 तक, चर 12:32 से 2:03 तक, लाभ-अमृत 2:03 से 5:07 तक।

राहुकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:25, सूर्यास्त 6:39

**मेघ**  
घर-गुरुस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवारिक कार्यों के कारण धन खर्च हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

**वृष**  
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आप में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

**तुला**  
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बने लगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

**वृश्चिक**  
परिवार में धार्मिक-सामाजिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवर्तन से उचित सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**धनु**  
घर-परिवार में आपसी अनबन-मतभेद हो सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**मकर**  
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक/व्यापार संबंध में आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

**कुंभ**  
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य बने लगे। व्यावसायिक/खर्चों पर नियंत्रण रखें।

**सिंह**  
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज आवश्यक कार्यों में हलन्ध हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अबकी बनीं रहेंगी।

**कन्या**  
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

**मीन**  
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

## पहली बार चिदंबरम, कांग्रेस अधिवेशन की ड्राफ्टिंग कमेटी के सदस्य नहीं हैं

इसी प्रकार यह भी पहली बार हो रहा है कि अधिवेशन में केवल एक ही प्रस्ताव पेश किया जायेगा

**रेणु मिश्र-**  
**राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**  
नई दिल्ली, 28 मार्च कांग्रेस पार्टी अहमदाबाद में होने वाले अपने ए.आई.सी.सी. अधिवेशन की तैयारियों में जुटी है, ऐसे में यह पहली बार है जबकि, पी. चिदंबरम ड्राफ्टिंग कमेटी के सदस्य नहीं हैं, जो कि- ए.आई.सी.सी. के सम्मुख पेश किए जाने वाले प्रस्ताव को ड्राफ्ट करेगी।

और पहली बार हो ऐसा होगा कि ए.आई.सी.सी. अधिवेशन में सिर्फ एक ही प्रस्ताव पेश किया जाएगा।

इससे पहले कांग्रेस में परंपरा रही है कि ए.आई.सी.सी. अधिवेशनों में राजनीतिक, आर्थिक, अन्तर्राष्ट्रीय अथवा अन्य किसी विषय पर अध्यक्ष की अनुमति लेकर लगभग आधा दर्जन प्रस्ताव पेश होते आए हैं।

यह भी चर्चा है कि रणदीप सिंह सुरजेवाला को ड्राफ्टिंग कमेटी का अध्यक्ष क्यों बनाया गया, जबकि, अभी उनकी उतनी परिपक्वता, वरिष्ठता या बौद्धिक क्षमता नहीं है कि वे निर्णय ले सकें कि क्या-क्या मसले व मुद्दे प्रस्ताव में ज़रूर सम्मिलित होने चाहिये।

■ जैसा कि विदित ही है, अहमदाबाद में कांग्रेस का 9 अप्रैल को एकदिवसीय अधिवेशन आयोजित किया गया है और उसमें एक ही प्रस्ताव पेश किया जायेगा। इससे पहले कांग्रेस में परम्परा रही है कि राजनीतिक, इकोनॉमिक, अंतरराष्ट्रीय व अन्य किसी विषय पर, अध्यक्ष की अनुमति लेकर, लगभग आधा दर्जन प्रस्ताव पेश होते आये हैं।

■ इस बात की भी चर्चा है कि रणदीप सिंह सुरजेवाला को ड्राफ्टिंग कमेटी का अध्यक्ष क्यों बनाया गया, जबकि उनकी अभी उतनी परिपक्वता, वरिष्ठता या बौद्धिक क्षमता नहीं है कि वे निर्णय ले सकें कि क्या-क्या मसले व मुद्दे प्रस्ताव में ज़रूर सम्मिलित होने चाहिये। पहली बैठक में चर्चा इस बात पर सीमित रही कि प्रस्ताव व पेपर की "थीम" क्या होनी चाहिये।

■ संगठनात्मक पुनर्गठन पर राहुल गांधी की स्पष्ट सोच है कि पार्टी को सहयोगी दलों के दबाव में नहीं आना चाहिये और पार्टी का फोकस डी.सी.सी. को मजबूत करने पर रहना चाहिये।

आज दोपहर को हुई ड्राफ्टिंग कमेटी की पहली मीटिंग में चर्चा इस बात पर सीमित रही कि प्रस्ताव व पेपर की थीम क्या होनी चाहिये।

को आयोजित होगा। आठ अप्रैल को तो कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यू.सी.) की मीटिंग होनी है।

राहुल गांधी की सोच के अनुसार, अधिवेशन में केन्द्रीय मुद्दे होंगे- भाजपा पर प्रहार, मोदी सरकार की अक्षमता, अर्थव्यवस्था में गिरावट तथा आम लोगों की कीमत पर बड़े कॉर्पोरेट घरानों को मनमानी की छूट देना। राहुल गांधी का मानना है कि संगठनात्मक मोर्चे पर, कांग्रेस को विभिन्न राज्यों में अपनी राजनैतिक संभावनाएं पुनः तलाशने एवं प्राप्त करने की ज़रूरत है तथा पार्टी को अपने मित्र दलों के दबाव के आगे समर्पण नहीं करना चाहिये। इसके अलावा, राहुल अपने इस निर्णय पर अटल हैं कि पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए जिला कांग्रेस कमेटीयों को ताकतवर बनाना होगा।

संभावना यह है कि ये सब बातें जुबानी कवायद तक सीमित रहेंगी, क्योंकि नेतृत्व की रूचि केवल उन लोगों की बातें सुनने में रहती हैं, जो नेतृत्व की प्रशंसा करते हैं, क्योंकि आलोचना और बेबाकी स्वागत और सम्मान योग्य नहीं मानी जाती।

## जस्टिस वर्मा के इलाहाबाद ट्रांसफर पर सरकार की मुहर

नई दिल्ली, 28 मार्च केश मामले में धिरे जस्टिस यशवंत वर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट की सिफारिश और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद आदेश जारी किया गया है। हालांकि इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को निर्देश दिया गया है कि जस्टिस वर्मा को कोई न्यायिक काम न सौंपा जाए। इधर, सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा पर एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने कहा मामले में सुप्रीम कोर्ट की इंटरनल कमेटी जांच कर रही है। रिपोर्ट में कुछ गड़बड़

■ इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने "शुक्रवार" को न्यायपालिका का काला दिन बताया और शपथ ग्रहण के बहिष्कार की घोषणा की।

मिला तो एफआईआर होगी या मामला संसद को भेजा जाएगा। जस्टिस वर्मा को इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजने का वहां की बार एसोसिएशन विरोध कर रही है। बार एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने 27 मार्च को सीजेआई संजोव खन्ना और कॉलेजियम के सदस्यों से मिलकर ट्रांसफर पर पुनर्विचार करने की मांग की थी। एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने शुक्रवार को भारत की न्यायपालिका के लिए सबसे काला दिन बताया उन्होंने घोषणा की कि वे जस्टिस वर्मा के शपथ ग्रहण समारोह का बहिष्कार करेंगे।

## बिहार चुनाव में महिलाओं को "कैश इन्सैक्टिव" स्कीम ही, भाजपा की रणनीति का स्तम्भ है

महाराष्ट्र, हरियाणा व दिल्ली चुनाव में यह रणनीति सफल रही है। अतः बिहार में भाजपा ने "लाडली लक्ष्मी योजना" प्रस्तावित की है

■ श्रीनन्द झा-  
राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 मार्च। चुनाववाधीन बिहार के लिये भाजपा की प्रचार-योजना को लेकर आश्चर्य करने की ज़रूरत नहीं है। इस पूर्वी राज्य के नवम्बर में होने वाले चुनावों में महिलाओं के लिए एक प्रलोभन पार्टी को शीर्ष पेशकश हो सकती है। महाराष्ट्र, हरियाणा तथा दिल्ली चुनावों में अपनाई गई सफल तरकीब के अनुरूप, भाजपा ने बिहार के लिये "लाडली लक्ष्मी योजना" के बारे में विचार बनाया है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं के वोट पाने के लिये कई उपायों की दिशा में प्रयास शुरू कर दिये हैं, जैसे- पंचायतों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण लागू करना, स्कूल जाने हेतु बालिकाओं के लिए साइकिल-योजना तथा महिलाओं के स्वयं-सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने के लिए "जीविका दीदी" योजना लागू करना।

नीतीश कुमार ने 2016 में मुख्यतः महिला युवाओं की मांग के जवाब में, राज्य में शराबबंदी भी लागू की थी।

- वैसे बिहार में महिलाओं को वोट बैंक बनाने की सोच नीतीश कुमार की थी।
- नीतीश ने महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देना शुरू किया था, पंचायतों में, फिर, स्कूल की छात्राओं को साइकिल की सौगात दी और अंत में 2016 में महिलाओं की मांग पर बिहार में नशाबंदी लागू की। पर, नीतीश ने भी महिलाओं को सीधे "कैश इन्सैक्टिव" देने की सोच को नहीं अपनाया था।
- पर, अब सभी राजनीतिक पार्टियाँ भी महिलाओं के वोट बैंक के महत्व को समझने लग गई हैं तथा उस वोट बैंक को पोषित कर रही हैं। हेमन्त सोरेन भी दोबारा सत्ता में आये "मैया सम्मान" कैश इन्सैक्टिव योजना के कारण तथा केजरीवाल ने भी पंजाब में महिलाओं को "कैश सहायता" देने की योजना की घोषणा की, हालांकि, उस वादे की अभी पूर्ति नहीं हुई है।

लेकिन कुमार ने अभी तक सीधे कैश ट्रांसफर की पेशकश नहीं की है। देखा यह है कि कैश ट्रांसफर किये जाने पर भाजपा का फोकस महिला मतदाताओं में कुमार की छवि एवं स्थिति को मजबूत कर पायेगा या नहीं। इस बहस के बीच कि कैश ट्रांसफर

करने की रणनीति असली प्रशासनिक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए अपनाई जाती है, कैश ट्रांसफर करने का ट्रैंड जोर पकड़ चुका है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पिछले विधानसभा चुनावों में "लाडली (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## म्यांमार में भारी भूकंप, 150 की मौत और 732 घायल

भूकंप के झटके भारत, थाइलैंड, बांग्लादेश व दक्षिण पश्चिम चीन में महसूस किए गए

यांगून, 28 मार्च। म्यांमार में शुक्रवार सुबह 11:50 बजे 7.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसका असर थाइलैंड से लेकर पूर्वोत्तर भारत तक दिखाई दिया। सरकार ने चेतावनी दी कि अगले 24 घंटों में और भी भूकंप आ सकते हैं। म्यांमार में भूकंप में अब तक लगभग 150 लोग मारे गए हैं और 732 घायल हुए हैं। सेना ने कहा है कि मरने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है।

बैकॉक में भूकंप के तेज झटके ने काफी नुकसान पहुंचाया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, एक अधिकारी ने बताया कि बैकॉक में एक इमारत के ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़ कर आठ हो गई है। बैकॉक के उप राज्यपाल तविदा कामोलवेज ने कहा कि एक अन्य व्यक्ति की भी अलग स्थान पर मौत हुई है। ऐसे में यहां मौत का कुल आंकड़ा 9 हो गया है। बचाव दल के अनुसार,

- 7.7 रिक्टर तीव्रता के इस भूकंप को रैंड कैटगरी में रखा गया है। इसमें दस हजार से एक लाख तक मौतें होने की संभावना होती है।
- थाइलैंड में भूकंप से एक इमारत ढह गई, जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई व 100 से ज्यादा लोग लापता हैं।

निर्माण स्थल पर अभी भी 100 से अधिक लोग लापता हैं। भारी तबाही के कारण थाइलैंड की प्रधानमंत्री पाइतीगताई शिनवात्रा ने इमरजेंसी घोषित कर दी है। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, इस भूकंप से होने वाली मौतों की आशंका को रैंड कैटगरी में रखा गया है। इस कैटगरी में 10 हजार से 1 लाख मौतें तक हो सकती हैं। म्यांमार, थाइलैंड, बांग्लादेश, भारत और दक्षिण-पश्चिम चीन सहित, 5 देशों में भूकंप का असर देखा गया।

यहां के कई इलाकों में तेज झटके महसूस किए गए। भारत में कोलकाता, इफाल, मेघालय और ईस्ट कार्गो हिल में झटके महसूस किए गए। बांग्लादेश में ढाका, चटगांव समेत कई हिस्सों में 7.3 तीव्रता के झटके आए। म्यांमार में 12 मिनट बाद फिर 6.4 तीव्रता का आफ्टरशॉक आया। म्यांमार में धरती की सतह के नीचे की चट्टानों में मौजूद एक बहुत बड़ी दरार है, जो देश के कई हिस्सों से होकर गुजरती है। यह दरार म्यांमार के सागाइंग (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## केन्द्रीय कर्मचारियों का 2 प्रतिशत डीए बढ़ा

नई दिल्ली, 28 मार्च। केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए एक अच्छी खबर दी है। सरकार ने महंगाई भत्ता (डीए) और पेंशनरों के लिए महंगाई राहत (डीआर) में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की मंजूरी दे दी है। यह बढ़ोतरी 1 जनवरी से लागू होगी। इससे लगभग 48.66 लाख सरकारी कर्मचारियों और 66.55 लाख पेंशनरों को फायदा होगा।

- पेंशनरों को भी महंगाई राहत में दो प्रतिशत की वृद्धि दी गई।

सरकार के अनुसार महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में बढ़ोतरी से सरकारी खजाने पर हर साल 6614.04 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में यह बदलाव इसलिए किया गया है क्योंकि इनकी दरों में साल में दो बार बदलाव होता है। एक बदलाव आम तौर पर मार्च में होता है और दूसरा दिवाली से पहले अक्टूबर में होता है। पिछले साल अक्टूबर में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद महंगाई भत्ता बेसिक (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## बीकानेर सेंट्रल जेल से मु.मंत्री को जान से मारने की धमकी मिली

14 महीने में चौथी बार मुख्यमंत्री भजनलाल को धमकी दी गई है

बीकानेर, 28 मार्च (निःसं।) मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी देने वाला बीकानेर सेंट्रल जेल का बंदी है। उससे मोबाइल फोन बरामद हुआ है। चौदह महीने में यह चौथी बार है, जब सीएम को धमकी दी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी आदिल ने शुक्रवार सुबह 7:30 बजे बीकानेर पुलिस कंट्रोल रूम को मोबाइल से कॉल किया और सीएम को जान से मारने की बात कही। सुबह 8:40 बजे आदिल को गिरफ्तार कर लिया। आदिल ने कॉल क्यों किया और उसके पास मोबाइल कैसे पहुंचा, इसकी छानबीन की जा रही है। जांच में पता चला है कि आदिल नशे का आदी है। उसकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं है। वह पहले भी अपने हाथों की नसें

■ जाँच में पता चला कि बीकानेर सेंट्रल जेल से बंदी आदिल ने यह कॉल किया था, पुलिस ने उससे मोबाइल बरामद किया है।

काट चुका है। सूत्रों के अनुसार, आरोपी को बीकानेर सेंट्रल जेल में नशीला पदार्थ नहीं मिल रहा था, इसलिए वह दूसरी जेल में शिफ्ट होना चाहता था। इसी वजह से उसने ये धमकी भरा कॉल किया। जेल अधीक्षक सुमन मालीवाल ने बताया कि जेल पुलिस ने अपने स्तर पर ही सर्च अभियान चलाकर आदिल को गिरफ्तार किया है। इससे पहले, 21 फरवरी की रात को सीएम भजनलाल को दौसा जेल से जान से मारने की धमकी मिली थी। पाँक्सो मामले में जेल में बंद आरोपी ने

श्यालवास स्थित सेंट्रल जेल से पुलिस कंट्रोल रूम को 12 बजकर 45 मिनट से लेकर 12 बजकर 55 मिनट के बीच 10 मिनट में दो कॉल किए थे। श्यालवास जेल से 27 जुलाई 2024 को भी जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम को कॉल कर सीएम को जान से मारने की धमकी दी गई थी। जयपुर पुलिस की स्पेशल टीम ने जेल में सर्च अभियान चलाकर मोबाइल जब्त किए थे। धमकी देने वाले कैदी के खिलाफ थापड़दा थाने में मामला दर्ज किया गया था। साथ ही, जेल में सिम पहुंचने वाले एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया था। इसके अलावा, जनवरी

2024 में जयपुर की सेंट्रल जेल में बंद पाँक्सो एक्ट के बंदी ने ही कंट्रोल रूम में कॉल कर सीएम को गोली मारने की धमकी दी थी।

इसके बाद कॉल काटकर मोबाइल स्विच ऑफ कर लिया था। पुलिस टीम ने तकनीकी आधार पर जांच शुरू करके धमकी देने वाले आरोपी की पहचान की थी। इस दौरान जेल में बंदियों से मोबाइल भी जब्त किए गए थे।

ज्ञातव्य है कि गत 26 मार्च को डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा को जान से मारने की धमकी मिली थी। बदमाश ने जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम में कॉल किया था जिस नंबर से फोन आया, उस मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की गई। मोबाइल की लोकेशन जयपुर सेंट्रल जेल आई। ड्यूटी ऑफिसर ने धमकी भरा फोन आने की सूचना सीनियर्स को दी।

सबसे पहले लाइफ इश्योरस



एलआईसी का जीवन उत्सव

Plan No.: 771 UIN: 512N363V02

उत्सव मनाने का गारंटीड तरीका



आजीवन गारंटीड रिटर्न के साथ

ऑनलाइन भी उपलब्ध

पूर्ण आयु जीवन बीमा एवं लाभ भुगतान के विकल्प

- सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि 5 से 16 वर्ष
- प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान गारंटीकृत वृद्धि
- नियमित आय लाभ / फ्लेक्सि आय लाभ
- न्यूनतम मूल बीमा राशि 5 लाख

एक पॉलिसी, पार, पॉलिसिड, व्यक्तिगत, बचत, पूर्ण आयु जीवन बीमा योजना

भारतीय जीवन बीमा निगम LIC LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हय पल आपके साथ

अधिक जानकारी के लिए, अपने बीमा एजेंट/मिडिलटन एलआईसी शाखा से संपर्क करें या अपने हाइडर का नाम 56767474 पर एसएमएस करें

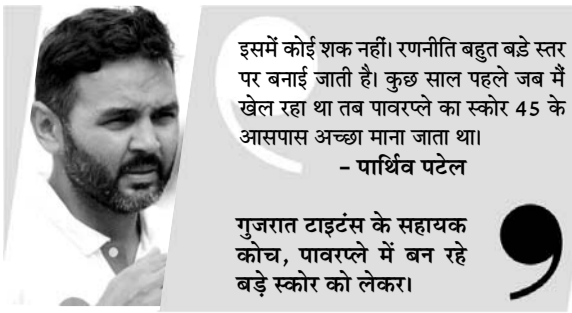
हमें यहाँ फॉलो करें: LIC India Forever | IRDAI Regn No.: 512

धोचपट्टी वाले फोन कॉल तथा ड्रॉ/ग्रामक प्रस्तावों से सावधान रहें. ऑनलाइन/आई या इनके कर्मचारी बीमा व्यवसाय जैसे कि बीमा पॉलिसियों की बिक्री, बीमा की घोषणा या प्रीमियम के निवेश, राशिवा लौटाना जैसी कोई भी गतिविधियों में शामिल नहीं होते हैं जिन पॉलिसीधारकों या सम्पत्ति धारकों को ऐसे फोन कॉल मिलें, वे कृपया पुलिस में इसकी रिपोर्ट दर्ज करें, कृपया बिक्री के सम्पन्न से पहले बिक्री पुस्तिका को ध्यान से पढ़ लें.









इसमें कोई शक नहीं। रणनीति बहुत बड़े स्तर पर बनाई जाती है। कुछ साल पहले जब मैं खेल रहा था तब पावरप्ले का स्कोर 45 के आसपास अच्छा माना जाता था।

- पार्थिव पटेल

गुजरात टाइटंस के सहायक कोच, पावरप्ले में बन रहे बड़े स्कोर को लेकर।



आज का खिलाड़ी



नोवाक जोकोविच

सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा को हराकर मियामी ओपन में पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। एक घंटा 24 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी जोकोविच ने दूसरे सेट में ब्रेक डाउन से वापसी करते हुए

कोर्डा पर 6-3 7-6 (7-4) से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही 37 वर्षीय जोकोविच एटीपी मास्टर्स 1,000 इवेंट के अंतिम चार में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गये हैं। 2016 के बाद से जोकोविच इस टूर्नामेंट में पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं।

क्या आप जानते हैं? ... टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में 80 शतक जड़ चुके हैं। इस वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ पाना नामुमकिन के बराबर है।

चौथी बार बढ़ा आरसीए एडहॉक कमेटी का कार्यकाल



जयपुर, 28 मार्च। फिर से तीन माह का बढ़ाया गया एडहॉक कमेटी का कार्यकाल, भाजपा विधायक जयदीप बिहाणी बने रहेंगे कन्वीनर, रतन सिंह, हरीश चंद्र व धनंजय सिंह सदस्य बरकरार, धर्मवीर सिंह व विमल शर्मा भी सदस्य बनाए रखे गए। पिछले दिनों विवादों में रही थी आरसीए एडहॉक कमेटी, लेकिन रजिस्ट्रार सहकारिता ने इसी कमेटी पर भरोसा रखा बरकरार। कमेटी को तीन माह में आरसीए का चुनाव करवाने का दिया निर्देश।

भारतीय खाद्य निगम, उत्तर क्षेत्र और उत्तर रेलवे ने जीत दर्ज की

नई दिल्ली, 28 मार्च। इंस्टिट्यूशनल फुटबाल टीम में शुक्रवार को भारतीय खाद्य निगम, उत्तर क्षेत्र और उत्तर रेलवे ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए पूरे अंक अर्जित किये। आज यहां विनोद नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स मैदान पर खेले गये मुकाबले में उत्तर क्षेत्र ने डी डी ए पर 6-1 की बड़ी जीत दर्ज की तो खाद्य निगम मुख्यालय ने डीटीसी को 7-0 से रौंदा। हितिक वालिया ने लीग की पहली हैट्रिक जमाई। एक अंक मुकाबले में उत्तर रेलवे ने दिल्ली ऑडिट को जितने राणा के गोल से परास्त किया। खाद्य निगम मुख्यालय की जीत में हितिक वालिया को हैट्रिक मैच का आकर्षण रही तो स्टार खिलाड़ियों से सजी टीम के लिए यश थापा ने दो और मोनु चौधरी एवम उमंग शर्मा ने एक एक गोल बांटे। खाद्य निगम उत्तर क्षेत्र की जीत का हीरो पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी त्रिलोक सिंह बिष्ट रहा जिसने दो दर्शनीय गोल किये। जोगिंदर सिंह, पिपुष भंडारी, ललित और कमल सिंह ने एक एक गोल बांटे। दिन का सबसे रोमांचक मुकाबला उत्तर रेलवे और दिल्ली ऑडिट के बीच देखने को मिला। दोनों तरफ से कई अच्छे मूव बने लेकिन रक्षापंक्ति और गोलकीपर के सुन्दर बचाव से गोल नहीं बन पाया। बड़े उम्र के खिलाड़ियों से सजी डी डी ए और डीटीसी दौड़ से बाहर होने की कगार पर हैं।

चेन्नई और मदुरै करेंगे एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्वकप की मेजबानी

नई दिल्ली, 28 मार्च। तमिलनाडु के चेन्नई और मदुरै 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलने वाली एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्वकप की मेजबानी करेंगे। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्वकप की मेजबानी करने वाले तमिलनाडु के चेन्नई और मदुरै शहरों के नामों की घोषणा की।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने चेन्नई सुपर किंग्स को 50 रनों से हराया

चेन्नई, 28 मार्च। कप्तान रजत पाटीदार (51), फिल सॉल्ट (32), विराट कोहली (31) और टिम डेविड (नाबाद 22) रन के बाद हेजलवुड (तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के आठवें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 50 रनों से हरा दिया है। आरसीबी टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत के साथ अंकतालिका में शीर्ष पर बनी हुई है।



गयो। 13वें ओवर में यश दयाल ने रचिन रविंद्र (41) को आउटकर चेन्नई की उम्मीदों को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद यश ने शिवम दुबे (19) को भी बोल्ट कर पवेलियन भेज दिया। रवि अश्विन (11) को लियम लिंविंगस्टन ने आउट किया। इसके बाद रवींद्र जडेजा और महेन्द्र सिंह धोनी ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच आठवें के लिए 31 रनों की साझेदारी हुई।

हेजलवुड ने रवींद्र जडेजा (25) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। चेन्नई सुपर किंग्स निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 146 रन ही बना सकी और 50 रनों से मुकाबला हार गई। आरसीबी की ओर से जॉश हेजलवुड ने तीन विकेट, लियम लिंविंगस्टन और यश दयाल ने दो-दो विकेट लिये। भुवनेश्वर कुमार ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी के लिए फिल सॉल्ट और विराट कोहली की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 45 रन जोड़े।

रीतिका हुड्डा ने एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में जीता रजत पदक

अम्मान, 28 मार्च। मौजूदा अंडर 23 विश्व चैम्पियन रीतिका हुड्डा ने एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप 2025 में महिलाओं के फ्रीस्टाइल 76 किग्रा वर्ग स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया है। जार्डन के अम्मान में गुरुवार को खेले गये फाइनल मुकाबले में भारतीय पहलवान रीतिका किर्गिस्तान की पेपेरी मेदेत किर्गी से 7-6 से हार गई और उन्हे रजत पदक से संतोष करना पड़ा। एक समय रीतिका 6-2 से आगे थीं, लेकिन आखिरी सेकेंड में बहुत को गंवा दिया। रीतिका ने सेमीफाइनल में जापान की नोदोका यामामोटो को हराकर अपना दूसरा सीनियर एशियाई पदक पक्का किया। इससे पहले उन्होंने क्वार्टर फाइनल में कोरिया की सियोयोन जियॉंग को 10-0 से हराया था।



इस बीच अन्य मुकाबलों में मुस्कान ने (59 किग्रा) वर्ग और मानसी लाटर ने (68 किग्रा) वर्ग स्पर्धा में कांस्य पदक जीते। मुस्कान क्वार्टर फाइनल में जापान की सकुरा ओनिसो से 12-2 से हारी, लेकिन रेपेचेज में मंगोलिया की अल्टजिन तोगतोख को 4-0 से हराकर कांस्य जीता। वहीं 18 साल की मानसी ने सीनियर डेब्यू में कजाकिस्तान की इरीना कज्युलिना को 12-2 से हराकर कांस्य पदक जीता। उनकी सेमीफाइनल में हार चैम्पियन जेलु ली से हुई। गुरुवार को तीन पदकों के साथ भारत के पदकों की संख्या अब पांच हो गई है। पहले दो दिन ग्रीको-रोमन के निरेश (97 किग्रा) और सुनील कुमार (87 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते थे।

प्रिंस जाखड़ व प्रवीण शर्मा के नाबाद अर्द्धशतकों की मदद से जी.आर. एकेडमी की आसान जीत



जयपुर, 28 मार्च। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज जी.आर. क्रिकेट ग्राउण्ड सिरसी पर खेले गये पुल-सी के मैच में प्रिंस जाखड़ व प्रवीण शर्मा के नाबाद अर्द्धशतकों की मदद से जी.आर. क्रिकेट एकेडमी ने विवेक यादव मैमोरियल क्रिकेट क्लब को 8 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर विवेक यादव मैमोरियल क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया।

लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाजों में हार्दिक मेवाड़ा 23 रन व कृष्णा राठी 17 रन को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज जी.आर. एकेडमी के गेंदबाजों हिमांशु सिंह राणा 25 रन पर 2 विकेट, सव्य गजराज 13 रन पर 2 विकेट, लेखन भारती 23 रन पर 2 विकेट, विनय चौधरी 14 रन पर 1 विकेट कि कसौ हुई गेंदबाजी के समक्ष लम्बी पारी खेलने में विफल रहे और निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 128 रन ही बना सके। जवाबी पारी में प्रवीण शर्मा 55 रन नाबाद (24 गेंद, 7 चौके, 3 छक्के), प्रिंस जाखड़ 54 रन नाबाद (18 गेंद, 2 चौके, 6 छक्के), शुभम पटवाल 19 रन की मदद से विजय लक्ष्य 129 रन 9.2 ओवर में 2 विकेट खोकर हासिल कर 8 विकेट से आसान जीत दर्ज कर ली, गेंदबाजी में कृष्ण कुमार गुप्ता 22 रन पर 2 विकेट लेकर एक मात्र सफल गेंदबाज रहे। मैन ऑफ द मैच प्रिंस जाखड़ 54 रन नाबाद (18 गेंद, 2 चौके, 6 छक्के), जी.आर. क्रिकेट एकेडमी रहे।

फेडरेशन कप में राजस्थान (पुरुष/महिला) वुशू टीम ने जीते 21 पदक



जयपुर, 28 मार्च। भारतीय वुशू संघ के तत्वावधान में दिनांक 24 से 28 मार्च 2025 तक बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित हुई, 08वीं फेडरेशन कप (पुरुष/महिला) वुशू प्रतियोगिता में राजस्थान वुशू टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए, 05 स्वर्ण, 08 रजत व 08 कांस्य कुल 21 पदक जीते। हीरानन्द कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ के अनुसार पदक विजेता खिलाड़ियों के विवरण इस प्रकार है - स्वर्ण पदक विजेता 1. विजय भारद्वाज 2. लोकेश धूनिया 3.

नीलम चौधरी 4. रजत प्रकाश गुप्ता 5. गुलशन बड़गुजर रजत पदक विजेता 1. अमन पारीक 2. जसवीर यादव 3. पूर्ति शर्मा 4. किशन कुमार (2 रजत) 5. मनोज चित्तौड़िया 6. दीपक देवड़ा 7. संजु सैनी।

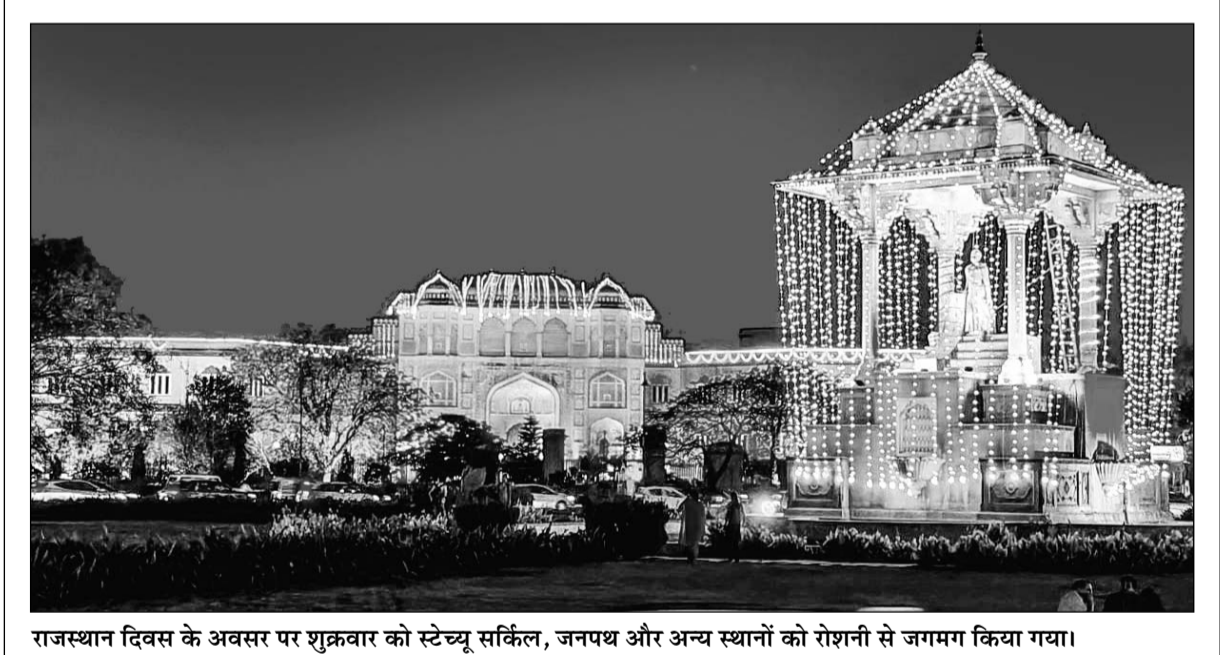
ओसासुना को हराकर बार्सिलोना अंकतालिका में शीर्ष पर

मैड्रिड, 28 मार्च। फेरान टोरेस और डानी ओल्मो के शुरुआती गोलों की बदौलत एफसी बार्सिलोना ने ओसासुना को हराकर, ला लीगा की अंकतालिका में तीन अंकों की बढ़त के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। कैम्प नोड में गुरुवार को खेले गये इस मुकाबले में बार्सिलोना के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओसासुना के खिलाफ 3-0 से जीत दर्ज की। मैच की शुरुआत में फार्वर्ड फेरान टोरेस ने 11वें मिनट में अलेजान्द्रो बाल्डे के शानदार क्रॉस पर गोलकर अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी। इसके बाद डानी ओल्मो ने टीम के लिए दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया।

श्रेयस-ईशान को मिल सकता है बीसीसीआई का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट

नई दिल्ली, 28 मार्च। श्रेयस अच्यर और ईशान किशन की बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में वापसी हो सकती है। पिछले साल दोनों को बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट 2023-24 से बाहर किया गया था।

राजधानी



राजस्थान दिवस के अवसर पर शुक्रवार को स्टेच्यू सर्किल, जनपथ और अन्य स्थानों को रोशनी से जगमग किया गया।

आई.ए.एस. देथा के माफी मांगने पर अवमानना कार्रवाई समाप्त

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से अवमानना के मामले में दिए आदेश की पालना में आईएएस भवानी सिंह देथा और तत्कालीन संयुक्त कॉलेज शिक्षा आयुक्त आरसी मीणा ने पेश होकर अदालत से बिना शर्त माफी मांगी। वहीं आईएएस शुचि त्यागी के अवकाश पर होने के चलते उनकी ओर से माफी मांगने की जानकारी एण्ड्री विज्ञान शाह ने अदालत के सामने रखी। इस पर अदालत ने तीनों अधिकारियों को अवमानना की कार्रवाई से मुक्त कर दिया। जस्टिस उमाशंकर व्यास ने यह आदेश डॉ. डीसी डूडी की अवमानना याचिका का निस्तारण करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान आईएएस देथा और आरसी मीणा अदालत में पेश हुए। अदालत ने उनसे कहा कि कोर्ट के आदेश के बाद भी उनकी ओर से पालना नहीं की जाती है। ऐसे में पक्षकार को अवमानना याचिका दायर करने के लिए एक बार फिर अदालतों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। अदालत ने कहा कि आप आमजन की जगह खुद को रखकर सोचिए। मैं मध्यम वर्गीय परिवार से आया हूँ और मुझे पता है कि आमजन को ऐसे मामलों में कितनी मुश्किल का सामना करना पड़ता है। जनता के हितों को देखते हुए अफसरों को तय समय में आदेशों की पालना करनी चाहिए। इस पर आईएएस देथा ने कहा कि उनका कभी भी अदालती आदेश की अवमानना करने का आशय नहीं रहता है और वे बिना शर्त माफी मांगते हैं। देथा ने अदालत को आश्चर्यस्त किया कि भविष्य में अदालती आदेशों की समय पर पालना की जाएगी। इस दौरान दूसरे अधिकारी आरसी मीणा ने भी अदालत से माफी मांगी। वहीं अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि आईएएस शुचि त्यागी बाहर होने के चलते अदालत में नहीं आई हैं, लेकिन उन्होंने अदालत से बिना शर्त माफी का संदेश भिजवाया है। ऐसे में उन्हें भी अवमानना से मुक्त किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत

ने तीनों अफसरों को अवमानना की कार्रवाई से मुक्त कर दिया। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता अजय चौधरी ने बताया कि याचिकाकर्ता सांभर लेक में कॉलेज व्याख्याता के पद पर कार्यरत हैं। इससे पूर्व वह हरियाणा में लेक्चरर था। विभाग ने करियर एडवांसमेंट स्कीम के लिए उनकी पुरानी सेवा को सेवा लाभ में नहीं जोड़ा। ऐसे में उसे बड़े हुए वेतनमान वेतनमान मिलने में डेढ़ साल की देरी हुई। इस पर डूडी की ओर दायर याचिका में एकलपौठ ने 5 मई 2022 को याचिकाकर्ता के पक्ष में फैसला दिया था। राज्य सरकार की अपील सुप्रीम कोर्ट से खारिज होने के बाद भी विभाग ने आदेश की पालना नहीं की। इस पर अदालत ने अवमानना याचिका दायर हुई थी। पूर्व में अदालत की सख्ती के बाद आदेश की पालना हुई थी। इस दौरान अदालत के सामने आया कि आईएएस देथा के खिलाफ अवमानना के 46 मामले लंबित हैं।

गडकरी ने जैसलमेर व बाड़मेर में 1237 करोड़ रुपये के कार्यों की मंजूरी दी

जयपुर/दिल्ली। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश की विभिन्न सड़क परियोजनाओं की प्रगति के सम्बन्ध में सकारात्मक चर्चा हुई। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री द्वारा राजस्थान के जैसलमेर और बाड़मेर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-70 और राष्ट्रीय राजमार्ग-11 (कुल लंबाई 134.86 किलोमीटर) के मौजूदा कनेक्शन को मजबूत/चौड़ा करने के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग-11 के म्याजलार-जैसलमेर खंड और मुनाबाव-तनोट के सुंदर-म्याजलार-अंबासिंह की ढाणी रोड भाग से पक्की सड़क के साथ 2-लेन का मजबूत और चौड़ीकरण करने के लिए 1237.71 करोड़ रुपये की लागत के साथ स्वीकृति दी गई है।



उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री से मुलाकात की।

प्रस्तावित सरंक्षण राष्ट्रीय राजमार्ग-25 और राष्ट्रीय राजमार्ग-68 के साथ संपर्क स्थापित करेगा, और राष्ट्रीय राजमार्ग-70 से भी जुड़ेगा, जिससे क्षेत्रीय परिवहन नेटवर्क में और वृद्धि होगी। यह परियोजना महत्वपूर्ण रणनीतिक महत्व रखती है क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास स्थित है, जो सुरक्षा कर्मियों की सीमावर्ती क्षेत्रों में तेजी से पहुंचने की क्षमता को बहुत बढ़ाएगी। यह परियोजना सड़क लोकप्रिय पर्यटन स्थल खुरी रेत के टीलों से भी होकर गुजरेगी और इससे मार्ग के किनारे स्थित अनेक गांवों को लाभ मिलेगा, तथा क्षेत्र के समग्र विकास और संपर्क में योगदान मिलेगा। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय मंत्री से मुलाकात के दौरान

अधिकारियों ने अवगत कराया कि जयपुर, जोधपुर और उदयपुर रिंग रोड आदि की डीपीआर के आदेश अगले महीने हो जाएँगे। एचएचए एवं राजस्थान के लिए आगामी वर्ष में 5 हजार करोड़ के कार्य वार्षिक योजना में लिए जाएँगे। इसके साथ

‘कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे का सदन में दिया बयान अक्षम्य’

जयपुर। राज्यसभा सांसद और भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल ने समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन को नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष खरगे द्वारा संरक्षण देने का आरोप लगाया। डॉ अग्रवाल ने राज्यसभा की कार्रवाई के दौरान कहा कि आश्रय की बात है कि सांसद रामजीलाल सुमन ने राणा सांगा पर विवादित और अर्थात् बयान देने के बाद फिर से बयान दिया कि मैं मरते मरते मर जाऊंगा, लेकिन मैं अपनी बात वापस नहीं लूंगा। जब तक जीवित रहूंगा, तब तक मैं इस बात को वापस

नहीं लूंगा। यह इस बात को दर्शाता है कि सांसद सुमन ने जो कुछ कहा था, जो सोच समझ कर कहा था, पूर्ण होशोहवास में कहा था, नियोजित तरीके से कहा था। यह संपूर्ण झूठी ठगबंधन की मानसिकता का द्योतक है। एक बार तो सदस्य के कहनाम को तो छोड़ा जा सकता था, लेकिन नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष होते हुए इस पूरे मामले को दलित से जोड़ रहे हैं वो अक्षम्य है। जो अपराधियों को पूरी तरह संरक्षण देने वाला है। अग्रवाल ने कहा कि देश का इतिहास गवाह है, कांग्रेस राष्ट्र विरोधियों

के साथ रहने की आदी है। खरगे ने राणा सांगा को जान बूझ कर दलित समाज से जोड़कर के दलित का मुद्दा उठाकर राणा सांगा को दोबारा अपमानित किया है। इन्होंने इस मामले का राजनीतिकरण किया है, यह कांग्रेस की सोचो हुई मंशा है। डॉ अग्रवाल ने बताया कि डॉ अम्बेडकर एक दलित थे, डॉ अम्बेडकर ने 25 अप्रैल को कहा था कि चाहे जो भी हो जाए इस देश की कांग्रेस में कमी भी नहीं जाया जा सकता है। आज सदन में खरगे ने अपनी उसी मानसिकता को सिद्ध करने का कार्य किया है। इतिहास गवाह है।

पूर्णपौठ की सहमति के बाद भी जीए-एएजी पद पर नियुक्ति क्यों नहीं : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की ओर से जयपुर पीठ में आपराधिक मामलों की पेरवी के लिए जीए-एएजी पद पर अधिवक्ता बीएन सांद्र की नियुक्ति को पूर्णपौठ की 16 अप्रैल 2024 को दी सहमति के बाद भी नियुक्ति नहीं देने को गंभीर माना है। वहीं अदालत ने मुख्य सचिव, प्रमुख विधि सचिव, हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल व अधिवक्ता सांद्र से भी जवाब देने के लिए कहा है। अदालत ने प्रमुख विधि सचिव को निर्देश दिया है कि वे 2 अप्रैल को मूल रिकॉर्ड पेश कर बताए कि पूर्णपौठ की सहमति के बाद भी जीए-एएजी पद पर नियुक्ति क्यों नहीं

की गई। जस्टिस गणेश राम मीणा ने यह आदेश इस संबंध में स्वरेप्रित प्रसंज्ञान लेते हुए दिए। अदालत ने कहा कि पिछले एक साल से फौजदारी केंसों का काम प्रभावित हो रहा है और इन केंसों की पेरवी में राज्य सरकार का सहयोग नहीं मिल पा रहा। यह बड़ा ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि पूर्णपौठ की सहमति मिलने के बाद भी जीए-एएजी पद पर नियुक्ति नहीं करना अदालत की अवमानना है। सुनवाई के दौरान सीनियर एडवोकेट एके गुप्ता की ओर से कहा कि हाईकोर्ट में लंबित फौजदारी केंसों की संख्या ज्यादा है।

# मु.मंत्री ने 10,000 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया

भीलवाड़ा, 28 मार्च। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राजस्थान दिवस के उपलक्ष में भीलवाड़ा का दौरा किया। इस दौरे पर उन्होंने 10,000 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

भीलवाड़ा नगर निगम के चित्रकूट धाम में उन्होंने राज्य स्तरीय विकास एवं सुशासन समारोह में भाग लिया और विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया।

इस कार्यक्रम में यूडीएच, एलएसजी और राजस्व विभाग द्वारा डेलिगेशन के ऑर्डर जारी किए। मुख्यमंत्री ने सब रजिस्ट्रार ऑफिस का समय सप्ताह में दो दिन सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं के दिशा-निर्देश जारी करने के साथ ही, सभी जिलों की पंचगौरव पुस्तिका का विमोचन भी किया। इससे स्थानीय क्षमताओं और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को हेल्थ कवरेज देने के लिए राजस्थान गवरमेंट हेल्थ स्कीम घोषित की और



मु.मंत्री भजनलाल ने भीलवाड़ा में राज्यस्तरीय विकास एवं सुशासन समारोह में साइबर क्राइम (डीजी) शरद कविराज को अटल ई-गवर्नेंस स्टेट अवॉर्ड प्रदान किया।

■ राजस्थान दिवस के उपलक्ष में आयोजित विकास एवं सुशासन समारोह में मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को हेल्थ कवरेज देने के लिए राजस्थान गवरमेंट हेल्थ स्कीम घोषित की।

चिकित्सा एप लॉन्च किया, इससे मरीज घर बैठे ही डॉक्टर से अपॉइन्टमेंट ले सकेंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जिला कलक्टर चित्तौड़गढ़ आलोक रंजन, जिला कलक्टर झुंजारपुर अंकित कुमार सिंह, शासन सचिव कार्मिक के.के. पाठक, महानिदेशक साइबर क्राइम शरद कविराज, महानिदेशक बोकानेर रंज ओमप्रकाश को अटल ई-गवर्नेंस स्टेट अवॉर्ड से सम्मानित किया। कार्यक्रम में विधायक अशोक कोठारी, लादु लाल पितलिया, गोपाल लाल शर्मा सहित कई भाजपा नेता व सरकारी अधिकारी मौजूद थे।

## बिहार चुनाव में महिलाओं को “कैश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) बहन योजना” की घोषणा की थी। इसी राह पर चलते हुये, भाजपा ने महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली के चुनावों में “लाडली बहन योजना” का प्रचार किया था। जे.एम.एम. सहित, गैर-भाजपा दलों ने भी इसी उपाय को अपनाया था और आदिवासी राज्य की सत्ता में हेमंत सोरेन की वापसी हो गई थी। उनकी वापसी “मेया सम्मान” की सफलता के कारण ही हो सकी थी। अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में महिलाओं को नकद सहायता देने का वादा किया था। ये अलग बात है कि अभी तक तो वे अपने वादे का सम्मान करने में असफल रहे हैं। भाजपा भी दिल्ली में चुनाव-पूर्व किये गये वादों को क्रियान्वित करने में असफल रही है। पूरे भारत और खासतौर से बिहार में, महिलाएं चुनाव-प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार रही हैं। वर्ष 2020 के चुनावों में, महिला मतदाताओं ने पुरुषों को पीछे छोड़ दिया था। उस चुनाव में 59.69

■ जैसा कि आंकड़ों से साबित होता है, महिला वोट बैंक केवल किंवदंती नहीं है, 2020 के चुनाव में महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा वोटिंग की थी। महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत 59.19 था और पुरुषों का 54 प्रतिशत। इन आंकड़ों के कारण ही आरजेडी ने बिहार में “माई, बहन, माँ योजना” की घोषणा की, जिसके तहत हर महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रूपए दिये जायेंगे।

प्रतिशत महिलाओं ने वोट डाले थे, जबकि केवल 54 प्रतिशत पुरुषों ने ही अपने मताधिकार का प्रयोग किया था।

तब 11 विधानसभा क्षेत्रों में तो 70 प्रतिशत से अधिक महिलाओं ने वोट डाले थे तथा अन्य 141 विधानसभा क्षेत्रों में 60 प्रतिशत महिलाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था।

विपक्षी गठबंधन को नेतृत्व प्रदान कर रही आरजेडी भी महिला मतदाताओं के महत्ता से अच्छी तरह परिचित प्रतीत हो रही है। पार्टी नेता तेजस्वी यादव ने भी “मे बहन माँ योजना” की घोषणा कर दी है तथा वादा किया है कि अगर

विपक्षी गठबंधन सत्ता में आता है तो प्रत्येक महिला को प्रति माह 2500 रूपए की सहायता दी जायेगी।

### केन्द्रीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) सैलरी का 53 प्रतिशत हो गया था। अब 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद यह बेसिक सैलरी का 55 प्रतिशत हो गया है। इसका मतलब है कि अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी 10,000 रुपये है, तो उसे अब महंगाई भत्ते के रूप में 5500 रुपये मिलेंगे।

### म्यांमार में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) शहर के पास से गुजरती है इसलिए इसका नाम सागाइंग फॉल्ट पड़ा। यह म्यांमार में उत्तर से दक्षिण की तरफ 1200 किमी तक फैली हुई है। इसे स्ट्राइक-स्लिप फॉल्ट कहते हैं, जिसका मतलब है कि इसके दोनों तरफ की चट्टानें एक-दूसरे की बगल से हॉरिजॉन्टल दिशा में खिसकती हैं, ऊपर-नीचे नहीं।

यह दरार अंडमान सागर से लेकर हिमालय की तलहटी तक जाती है और पृथ्वी की टेक्टॉनिक प्लेट्स के हिलने-डुलने से बनी है। भारतीय प्लेट उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ रही है, जिससे सागाइंग फॉल्ट पर दबाव पड़ता है और चट्टानें बगल में सरकती हैं। म्यांमार में कई बड़े भूकंप इसी सागाइंग फॉल्ट की वजह से आए हैं। इससे पहले 2012 में 6.8 तीव्रता का भूकंप आ चुका है। सागाइंग फॉल्ट के पास 1930 से 1956 के बीच 7 तीव्रता वाले 6 से ज्यादा भूकंप आए थे।



अपील

मेरे प्रदेशवासियों,

हमारी सरकार ने इस वर्ष से 30 मार्च के स्थान पर चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर राजस्थान दिवस मनाने का निर्णय लिया है। जिस वृहद् राजस्थान के उपलक्ष्य में हम राजस्थान दिवस मनाते हैं, वह भारतीय नववर्ष की तिथि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को रेवती नक्षत्र इंद्रयोग की शुभ घड़ी में अस्तित्व में आया था। सौभाग्य से इस बार भी वही शुभ संयोग बन रहा है।

इस अवसर पर मैं समस्त प्रदेशवासियों को राजस्थान दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ। आपसे अपील करता हूँ कि आप अपने घरों, प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थलों पर दीपक, मोमबत्तियाँ या रोशनी के अन्य स्रोतों के माध्यम से राजस्थान की सामूहिक चेतना, सांस्कृतिक गौरव और एकता का प्रकाश फैलाएं। यह रोशनी हमारी गौरवमयी परंपराओं और विरासत के सम्मान के साथ ही हमारी जीवतता, एकता और उज्वल भविष्य की ओर बढ़ते कदमों का प्रतीक बनेगी।

इस पुनीत अवसर पर मैं प्रदेशवासियों के साथ ही विशेष रूप से मातृशक्ति से भी अनुरोध करता हूँ कि वे समाज को रोशन करने की इस पहल में अपने परिवार और समुदाय के साथ इस दीपोत्सव में सहभागी बनकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

आप जगमग रोशनी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करें और हैशटैग #Rajasthan Diwas 2025 के साथ इस पर्व को जन-जन तक पहुंचाएं।

जय राजस्थान

धन्यवाद।

भजनलाल शर्मा  
मुख्यमंत्री, राजस्थान



सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान सरकार

MARUTI SUZUKI ARENA

शानदार एरीना महीने में अविश्वसनीय ऑफ़र्स।  
जल्दी कीजिए, ऑफ़र्स 31 मार्च तक।



3 DAYS LEFT

BUY BEFORE  
PRICE HIKE  
OF UP TO  
4%

MARUTI SUZUKI ARENA



ऑफ़र्स स्टॉक रहने तक मान्य

3 years 100 000 km WARRANTY\*\*  
EXTENDABLE UPTO 6 YEARS

विशेष  
ऑफ़र

ALTO K10 ₹83 100\* | S-PRESSO ₹73 100\*  
WAGONR ₹73 100\* | CELERIO ₹73 100\*



SCAN TO  
CONNECT  
TO SHOWROOM  
NEAR YOU



E-BOOK TODAY AT  
WWW.MARUTISUZUKI.COM

Contact us at  
1800-102-1800

T&C Apply Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black Glass Shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Car color may vary due to printing on paper. Offers vary across variants. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. \*Offer includes consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offer (wherever applicable) on selected models/variants. Above mentioned savings amount is the value of maximum savings on selected models. Offer valid with selected financiers only. All outlets are open on Sundays. \*\*3 years or 100 000 km whichever is earlier. Above offers are valid till 31<sup>st</sup> March, 2025.

